**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**02.02.2024 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 122 का उत्तर**

**बिहार में रेलवे ट्रैकों के विद्युतीकरण में सुधार**

**122. श्री सतीश चंद्र दूबेः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) सरकार ने वर्ष 2018 और वर्ष 2023 के बीच बिहार में विशेष रूप से मुजफ्फरपुर से गोरखपुर और दरभंगा से रक्सौल और सिकटा के रास्ते नरकटियागंज तक रेलवे पटरियों के विद्युतीकरण कार्य में सुधार के लिए क्या कदम उठाए हैं;

(ख) वर्ष 2018-2023 के बीच बिहार में रेल पटरियों के विद्युतीकरण पर खर्च की गई कुल राशि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि रेल पटरियों के विद्युतीकरण में सुधार के कारण भारतीय रेलवे की कुल डीजल खपत में कमी आई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) रेल ट्रैकों के विद्युतीकरण से भारतीय रेलवे को किस तरह से समग्र रूप से लाभ हुआ है और देश को शून्य उत्सर्जन स्थिरता लक्ष्य की ओर बढ़ने में किस तरह से मदद मिली है?

**उत्तर**

**रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

बिहार में रेलवे ट्रैकों के विद्युतीकरण में सुधार के संबंध में दिनांक 02.02.2024 को राज्य सभा में श्री सतीश चंद्र दूबे के अतारांकित प्रश्न सं. 122 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित **विवरण।**

(क) और (ख): 2014-15 से, भारतीय रेल ने बड़ी लाइन (बीजी) नेटवर्क पर लगभग 40,000 मार्ग किलोमीटर का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। विद्युतीकरण में 2004-14 के बीच लगभग 1.42 किलोमीटर/दिन से 2022-23 में लगभग 18 किलोमीटर/दिन तक की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। वर्तमान में, बड़ी लाइन नेटवर्क पर 61,813 मार्ग किलोमीटर का विद्युतीकरण कर लिया गया है, जो भारतीय रेलवे के कुल बड़ी लाइन (बीजी) नेटवर्क का लगभग 94% है। शेष बड़ी लाइन नेटवर्क का विद्युतीकरण शुरू कर दिया गया है।

2009-14 के दौरान बिहार में केवल 149 किलोमीटर बड़ी लाइन मार्ग के विद्युतीकरण की तुलना में 2014-23 के दौरान बिहार राज्य में पड़ने वाली कुल 2,719 किमी बड़ी लाइन (बीजी) मार्ग का विद्युतीकरण किया गया है। मुजफ्फरपुर से गोरखपुर और रक्सौल के रास्ते दरभंगा से नरकटियागंज तक रेलवे लाइनों का भी विद्युतीकरण किया गया है।

रेलवे विद्युतीकरण के लिए धनराशि अखिल भारतीय आधार पर आवंटित की जाती है, न कि राज्यवार। 2014-23 के दौरान, बिहार सहित विद्युतीकरण पर 43,346 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। इसके अलावा, बिहार सहित 2023-24 के दौरान विद्युतीकरण के लिए 8,070 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। 2018-23 के दौरान विद्युतीकरण पर खर्च की गई निधि निम्नानुसार हैं:

| **वर्ष** | **व्यय (**रुपये**)** |
|---|---|
| 2018-19 | 5,955 करोड़ |
| 2019-20 | 7,145 करोड़ |
| 2020-21 | 6,141 करोड़ |
| 2021-22 | 6,972 करोड़ |
| 2022-23 | 6,658 करोड़ |

(ग): जी,हां। कर्षण प्रयोजनों के लिए भारतीय रेल पर ईंधन की खपत निम्नानुसार हैं:

| **वर्ष** | **ईंधन की खपत (लीटर में)** |
|---|---|
| 2018-19 | 26.41 करोड़ |
| 2021-22 | 14.62 करोड़ |

(घ): रेलपथ के विद्युतीकरण से निम्नलिखित लाभ हैं:

i. परिवहन का स्वच्छ और हरित साधन।
ii. बेहतर ढुलाई क्षमता।
iii. बेहतर लाइन ढुलाई लागत।
iv. कार्बन उत्सर्जन में कमी।
v. कच्चे तेल के लिए बहुमूल्य विदेशी विनिमय में बचत।

अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए, भारतीय रेल डीजल से विद्युत कर्षण में उत्तरोत्तर बदलाव करने की योजना बना रहा है और इस विद्युत कर्षण पावर की आवश्यकता जहां तक संभव हो, को अक्षय स्रोतों के माध्यम से पूरा करने की योजना बनाई गई है।

********